Class : VII **Subject: Hindi**

पाठ-1: हम पंछी उन्मुक्त गगन के
(शिवमंगल सिंह 'सुमन')

शब्दार्थ :

1. **उन्मुक्त** – स्वतंत्र
2. **पुलकित** –प्रसन्नचित
3. **कटुक** – कड़वी
4. **नीड़** – घोंसला
5. **विघ्न** – रुकावट
6. **कनक** – सोना
7. **तरु** – वृक्ष
8. **गति**– चाल
9. **स्वर्ण श्रृंखला**– सोने की ज़ंजीर
10. **क्षितिज** – जहाँ धरती और आसमान मिलते प्रतीत होते हैं

प्रश्न/उत्तर

प्र1. हर तरह की सुख सुविधाएँ पाकर भी पक्षी पिंजरे में बंद क्यों नहीं रहना चाहते?

उत्तर– क्योंकि उन्हें स्वतंत्रता प्रिय है। वह खुले आसमान में उड़ान भरकर अधिक खुश होते हैं। उन्हें अपनी उड़ान में कोई बाधा पसंद नहीं है। उन्हें बंधन प्रिय नहीं लगता।

प्र2. पक्षी उन्मुक्त रहकर अपनी कौन-2 सी इच्छाएँ पूरी करना चाहते हैं?

उत्तर– पक्षी उन्मुक्त रहकर अपनी निम्नलिखित इच्छाओं को पूरी करना चाहते हैं:-

1. वे नदी झरनों का बहता जल पीना चाहते हैं।
2. वे अपनी गति से उड़ान भरना चाहते हैं।
3. वे अपनी इच्छा से प्रकृति से वस्तुएँ लेकर खाना चाहते हैं

प्र3. भाव स्पष्ट कीजिए-

या तो क्षितिज मिलन बन जाता/ या तनती साँसों की डोरी।

उत्तर– पक्षी क्षितिज में लंबी उड़ान भरना चाहते हैं।वे दोनों स्थितियों को सहने के लिए तैयार रहते हैं या तो वह लक्ष्य तक पहुँच जाएँगे या उनकी साँस फूल जाएगी।

पाठ – 2 हिमालय की बेटियाँ (नागार्जुन)

शब्दार्थ:

1. **उपत्यकाएँ** – पहाड़ के पास की ज़मीन
2. **नटी** – नृत्य करने वाली
3. **बंधुर** – भाई
4. **(भाव – भंगी)** – (हाव-भाव)
5. **मुदित**– प्रसन्न
6. **सरसब्ज** – हराभरा
7. प्रतीत – मालूम
8. **श्रेय** – यश
9. **सचेतन** – जानदार
10. **अतृप्त**– संतुष्ट न होना

प्रश्न/उत्तर

प्रश्न 1.नदियों को माँ मानने की परंपरा हमारे यहाँ काफ़ी पुरानी है, लेकिन लेखक नागार्जुन उन्हें और किन रूपों में देखते हैं?

उत्तर : नदियों को माँ स्वरूप तो माना ही गया है, लेकिन लेखक नागार्जुन ने उन्हें बेटी , प्रेयसी व बहन के रूप में भी देखा है।

प्रश्न 2 सिंधु और ब्रह्मपुत्र की क्या विशेषताएँ बताई गई हैं?

उत्तर: सिंधु और ब्रह्मपुत्र हिमालय से निकलने वाली प्रमुख और बड़ी नदियाँ हैं। इन दो नदियों के बीच से अन्य दो छोटी-बड़ी नदियाँ बहती हैं। ये नदियाँ सुंदर एवं लुभावनी लगती हैं।

प्रश्न 3 . काका कालेलकर ने नदियों को लोकमाता क्यों कहा है?

उत्तर : जल ही जीवन है। ये नदियाँ हमें जल प्रदान कर जीवनदान देती हैं। इन नदियों के किनारे ही लोगों ने अपनी पहली बस्ती बसाई और खेती बाड़ी करना शुरू किया। इसके अलावे ये नदियाँ गाँवों और शहरों की गंदगी भी अपने साथ बहाकर ले जाती रही हैं। ये नदियाँ मनुष्य के लिए ही नहीं, बल्कि पशु-पक्षी, पेड़-पौधों आदि के लिए बहुत ज़रूरी है। यही कारण है कि काका कालेलकर ने उन्हें लोकमाता कहा है।

प्रश्न 4 . हिमालय की यात्रा में लेखक ने किन-किन की प्रशंसा की है?

उत्तर: हिमालय की यात्रा में लेखक ने नदियों, पर्वतों, बर्फीली पहाड़ियों, हरी-भरी घाटियों तथा महासागरों की प्रशंसा की है।

पाठ-3: कठपुतली
(भवानी प्रसाद मिश्र)

शब्दार्थ:

1. **उबली** – जोश में आई
2. **पाँव** – पैर
3. **छंद**- मन की इच्छा

प्रश्न/उत्तर

प्र1. कठपुतली को गुस्सा क्यों आया?

उत्तर- क्योंकि उसे चारों ओर से धागों के बंधन से बाँध रखा था। वह इस बंधन से तंग आ गई थी तथा वह स्वतंत्र होना चाहती थी।

प्र2. कठपुतली को अपने पाँवों पर खड़े होने की इच्छा है, लेकिन वह क्यों नहीं खड़ी होती?

उत्तर- इसका कारण है कि उसके पैरों में स्वतंत्र रूप से खड़े होने की शक्ति नहीं है। इच्छा के साथ शक्ति और प्रयास की भी आवश्यकता होती है।

प्र3. पहली कठपुतली की बात दूसरी कठपुतलियों को क्यों अच्छी लगी?

उत्तर- उन्हें उसकी बात बहुत अच्छी लगी क्योंकि वह भी स्वतंत्र होना चाहती थीं और अपने मन के अनुसार चलना चाहती थीं।

प्र4. पहली कठपुतली ने स्वयं कहा कि -'ये धागे । क्यों है मेरे पीछे आगे? इन्हें तोड़ दो; मुझे मेरे पाँवों पर छोड़ दो।' तो फिर वह चिंतित क्यों हुई?

उत्तर- कहने और करने में बड़ा अंतर होता है। पहली कठपुतली ने स्वतंत्र होने की इच्छा तो प्रकट कर दी, लेकिन वह चिंतित हो गई कि वह किस प्रकार स्वतंत्र होगी। अभी उसकी उम्र कम है और उसे सहारे की ज़रूरत है। दूसरी कठपुतलियों की स्वतंत्रता की ज़िम्मेदारी भी उस पर थी।

पाठ-4 : मिठाईवाला
(भगवती प्रसाद वाजपेयी)

शब्दार्थ:

1. **विचित्र** – अनोखा
2. **उद्यान**- बगीचा
3. **हिलोर** – लहर
4. **निरखना** – देखना
5. **उस्ताद** – गुरु
6. **मादक**- नशा पैदा करने वाला
7. **दस्तूर** – तरीका
8. **क्षीण** – कमज़ोर
9. **विधाता** – ईश्वर
10. **तत्काल**- तुरंत

प्रश्न/उत्तर:

प्र1. मिठाईवाला अलग-2 चीज़ें क्यों बेचता था और वह महीनों बाद क्यों आता था?

उत्तर- मिठाईवाला चीज़ें बदल बदलकर इस लिए बेचता था ताकि बच्चे एक चीज़ से उकता न जाएँ। वह महीने बाद इसलिए आता था क्योंकि वह चीज़ें खुद तैयार करवाता था।

प्र2. मिठाईवाला में वे कौन-से गुण थे जिसकी वजह से बच्चे तो बच्चे, बड़े भी उसकी ओर खिंचे चले आते थे?

उत्तर- (1) उसका स्वर बहुत मीठा था। वह गा गाकर चीज़ें बेचता था।
(2) वह लाभ कमाने के चक्कर में नहीं रहता था।
(3) वह सदा सच बोलता था।
(4) उसके दिल में बच्चों के लिए ममता थी।

प्र3. विजय बाबू एक ग्राहक थे और मुरलीवाला एक विक्रेता। दोनों अपने-2 पक्ष के समर्थन में क्या तर्क पेश करते हैं?

उत्तर- विजय बाबू ग्राहक थे। उन्होंने तर्क दिया कि फेरीवाले झूठ बोलते हैं। वह सभी को एक दाम में वस्तुएँ बेचकर वैसे ही दूसरों को कम दाम कहकर अहसान का बोझ लाद देते हैं। मिठाईवाले ने तर्क दिया कि ग्राहक को दुकानदार पर विश्वास नहीं होता।ग्राहक को हमेशा लगता है कि दुकानदार वस्तु का अधिक दाम लगा रहा है और उसे लूट रहा है।

प्र4. खिलौने वाले के आने पर बच्चों की क्या प्रतिक्रिया होती थी?

उत्तर– खिलौने वाले के आने पर बच्चे खुश हो जाते थे। वे अपने -2 घर से पैसे लाकर खिलौनों का मोल भाव करने लग जाते थे। खिलौनेवाला उनको मनचाहे खिलौने दे देता था और बच्चे उन्हें पाकर खुश हो जाते थे।

प्र5. रोहिणी को मुरलीवाले के स्वर से खिलौनेवाले का स्मरण क्यों हो आया?

उत्तर– रोहिणी को मुरली वाले के स्वर से खिलौनेवाले का स्मरण इसलिए हो आया क्योंकि खिलौनेवाला भी उसी तरह गा–गाकर खिलौने बेचा करता था। उसने उसका स्वर पहचान लिया था।

प्र6. किसकी बात सुनकर मिठाईवाला भावुक हो गया था? उसने इन व्यवसायों को अपनाने का क्या कारण बताया?

उत्तर– दादी माँ की बात सुनकर मिठाईवाला भावुक हो गया । उस ने बताया कि वह एक अमीर आदमी था।उसकी पत्नी और बच्चे भी थे, लेकिन विधाता की लीला देखो, सब कुछ खत्म हो गया। अब वह इन बच्चों को चीज़ें बेच कर संतोष का अनुभव करता है, कमाता नहीं।

प्र7. 'अब इस बार ये पैसे न लूँगा'– कहानी के अंत में मिठाईवाले ने ऐसा क्यों कहा?

उत्तर– रोहिणी के बच्चों ने मिठाई माँगी तो मिठाईवाले ने मिठाई की दो पुड़ियाँ उन्हें ऐसे ही दे दीं। रोहिणी ने भीतर से पैसे फेंके तो मिठाईवाला बोला– " अब, इस बार ये पैसे न लूँगा।" मिठाईवाले ने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि उसे लग रहा था कि वह अपने ही बच्चों को मिठाई दे रहा है।

प्र8. इस कहानी में रोहिणी चिक के पीछे से बात करती है। क्या आज भी औरतें चिक के पीछे से बात करती हैं? यदि करती है तो क्यों? आपकी राय में क्या यह सही है?

उत्तर– आज ज़्यादातर औरतें चिक के पीछे से बात नहीं करती। हाँ, कुछ मुस्लिम परिवारों में यह रिवाज़ अब भी है।वे स्त्रियाँ परदा करती हैं। गाँव की स्त्रियाँ भी परदा करती हैं। मेरी राय में यह ठीक नहीं है।

पाठ – 5 : पापा खो गए (विजय तेंदुलकर)

शब्दार्थ:

1. **भंगिमा** – मुद्रा
2. **गरुर** – घमंड
3. **संतुलन** – बराबर बने रहना
4. **पदन्यास** – कदम रखना
5. **प्रेक्षक** – दर्शक
6. **आनंदित** – प्रसन्न
7. **स्वीकृति** – मंज़ूरी
8. **निस्तब्ध** – शांत
9. **संरक्षण** – रखवाली
10. **गश्त**– फेरी

प्रश्न/उत्तर:

1. नाटक में आपको सबसे बुद्धिमान पात्र कौन सा लगा और क्यों ?

उत्तर: नाटक में सबसे समझदार पात्र कौआ है क्योंकि कौए की बुद्धि के कारण ही लैटरबॉक्स संदेश लिख पाता है एवं लड़की उस दुष्ट आदमी से बच जाती है। इसके अलावा कौए के पास सभी समाचार रहते हैं ।

2. पेड़ और खम्भे में दोस्ती कैसे हुई?

उत्तर: पेड़ और खंभा हमेशा एक दूसरे के साथ रहते थे। इसके बावजूद भी खंभा अपनी अकड़ के कारण पेड़ से कुछ नहीं बोलता था, लेकिन एक दिन ज़ोर से आँधी आयी। आँधी के कारण गिरते हुए खम्भे को पेड़ बचा लेता है ,तो खम्भे का घमंड टूट जाता है और उन दोनों में दोस्ती हो जाती है।

3. लैटरबॉक्स को सभी लाल ताऊ कहकर क्यों पुकारते थे?

उत्तर: लैटरबॉक्स का रंग लाल था । साथ ही लैटरबॉक्स की बातें हमेशा बड़ों जैसी और समझदारों वाली होती थीं। इसीलिए सभी उसे प्यार से लाल ताऊ कहकर पुकारते थे।

4. लाल ताऊ किस प्रकार बाक़ी पात्रों से भिन्न है?

उत्तर: लाल ताऊ सभी पात्रों से इसलिए भिन्न है क्योंकि सभी पात्रों में केवल लाल ताऊ को ही पढ़ना लिखना आता है। वह इधर-उधर भी जा सकता है और नाच - गा भी सकता है।

5. नाटक में बच्ची को बचानेवाले पात्रों में एक ही सजीव पात्र है। उसकी कौन -कौन सी बातें आपको मज़ेदार लगी?

उत्तर: नाटक में बच्ची को बचानेवाले पात्रों में एक ही सजीव पात्र है और वह है कौआ। कौए की कुछ मज़ेदार बातें निम्नलिखित है-

(क) "वह दुष्ट है,कौन? पहले उसे नज़र तो आने दीजिए।"

(ख) लड़की के नींद से जग जाने तथा "कौन बोल रहा" पूछने पर कहना- "मैंने नहीं किया"।

6. क्या वजह थी कि सभी पात्र मिलकर भी लड़की को उसके घर नहीं पहुँचा पा रहे थे?

उत्तर: सभी पात्र मिलकर भी लड़की को घर नहीं पहुँचा पा रहे थे क्योंकि लड़की की उम्र बहुत कम थी और वह बहुत भोली थी। उसे अपने घर का रास्ता भी नहीं पता था। यहाँ तक कि उसे अपने पापा का नाम तक भी नहीं पता था। इन सभी वजहों से उनको लड़की को उसके घर पहुँचाने में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा था।

पाठ-6 : शाम- एक किसान
(सर्वेश्वरदयाल सक्सेना)

प्र1. 'शाम एक किसान' कविता का सार लिखें।

उत्तर- कवि ने किसान के रूप में जाड़े की शाम के प्राकृतिक दृश्य का चित्रण किया है। इस प्राकृतिक दृश्य में पहाड़ बैठे हुए एक किसान की तरह दिखाई दे रहा है, आकाश-उसके सिर पर बाँधे साफ़े के समान, पहाड़ के नीचे बहती हुई नदी - घुटनों पर रखी चादर-सी, पलाश के पेड़ों पर खिले लाल-लाल फूल- जलती अँगीठी के समान, पूर्व क्षितिज पर घना होता अँधकार- झुँड में बैठी भेड़ों जैसा और पश्चिम दिशा में डूबता सूरज - चिलम पर सुलगती आग की भाँति दिख रहा है। यह पूरा दृश्य शांत है। अचानक मोर बोल उठता है। मानो किसी ने आवाज़ लगाई- 'सुनते हो'। इसके बाद यह दृश्य घटना में बदल जाता है- चिलम उलट जाती है, आग बुझ जाती है, धुआँ उठने लगता है, सूरज डूब जाता है, शाम ढल जाती है और रात का अँधेरा छा जाता है।

पाठ - 7 अपूर्व अनुभव (तेत्सको कुरियानगी)

शब्दार्थ:

1. **छप्पर-** झोंपड़ी के ऊपर घास - फूस की छत
2. **तिपाई** - तीन पैरों वाली
3. **थामे** - पकड़े
4. **तरबतर** - डूबे हुए
5. **सूमों** - जापानी पहलवान जो कुश्ती लड़ते है, उन्हें सूमों बोला जाता है
6. **स्थिर** - टिका हुआ
7. **हताशा** -निराशा
8. **शिविर** - किसी निश्चित उद्देश्य के लिए एकत्र होना
9. **निजी** - अपनी
10. **उत्साह-** साहस

प्रश्न/उत्तर:

प्रश्न 1.यासुकी-चान को अपने पेड़ पर चढ़ाने के लिए तोतो-चान ने अथक प्रयास क्यों किया? लिखिए।

उत्तर: यासुकी-चान **तो**तो -चान का प्रिय मित्र था। वह पोलियोग्रस्त था, इसलिए वह पेड़ पर नहीं चढ़ सकता था, जबकि जापान के शहर तोमोए में हर बच्चे का एक निजी पेड़ था, लेकिन यासुकी-चान ने शारीरिक अपंगता के कारण किसी पेड़ को निजी नहीं बनाया था। **तो**तो -चान की अपनी इच्छा थी कि वह यासुकी-चान को अपने पेड़ पर आमंत्रित कर दुनिया की सारी चीज़ें दिखाए। यही कारण था कि उसने यासुकी-चान को अपने पेड़ पर चढ़ाने के लिए अथक प्रयास किया।

प्रश्न 2. दृढ़ निश्चय और अथक परिश्रम से सफलता पाने के बाद तोतो -चान और यासुकी-चान को अपूर्व अनुभव मिला, इन दोनों के अपूर्व अनुभव कुछ अलग-अलग थे। दोनों में क्या अंतर रहे? लिखिए।

उत्तर : दृढ़ निश्चय और अथक परिश्रम से पेड़ पर चढ़ने की सफलता पाने के बाद **तो**तो -चान और यासुकीचान को अपूर्व अनुभव मिला। इन दोनों के अपूर्व अनुभव का अंतर निम्न रूप में कह सकते हैं **तो**तो -चान वह स्वयं तो रोज़ ही अपने निजी पेड़ पर चढ़ती थी, लेकिन पोलियो से ग्रस्त अपने मित्र यासुकी-चान को पेड़ की **शा**खा तक पहुँचाने से उसे बहुत खुशी प्राप्त हुई क्योंकि मित्र को प्रसन्न करने में ही वह प्रसन्न थी। दूसरी ओर यासुकी-चान को पेड़ पर चढ़कर अपूर्व खुशी मिली। उसके मन की चाह पूरी हो गई।

प्रश्न 3.पाठ में खोजकर देखिए–कब सूरज का ताप यासुकी–चान और तोतो –चान पर पड़ रहा था, वे दोनों पसीने से तरबतर हो रहे थे और कब बादल का एक टुकड़ा उन्हें छाया देकर कड़कती धूप से बचाने लगा था। आपके अनुसार, इस प्रकार परिस्थिति के बदलने का कारण क्या हो सकता है?

उत्तर : पहली सीढ़ी से यासुकी–चान का पेड़ पर चढ़ने का प्रयास जब असफल हो जाता है तो **तोतो** –चान तिपाई–सीढी खींचकर लाई। अपने अथक प्रयास से उसे ऊपर चढ़ाने का प्रयास करने लगी तो दोनों तेज़ धूप में पसीने से तरबतर हो रहे थे। **थोड़ी देर बाद** बादल का एक टुकड़ा छाया कर उन्हें कड़कती धूप से बचाने लगा। उन दोनों की मदद के लिए वहाँ कोई नहीं था। इसीलिए प्रकृति को उन दोनों पर दया आ गई थी।

प्रश्न 4. 'यासुकी–चान के लिए पेड़ पर चढ़ने का यह.....अंतिम मौका था।' इस अधूरे वाक्य को पूरा कीजिए और लिखकर बताइए कि लेखिका ने ऐसा क्यों लिखा होगा?

उत्तर : 'यासुकी–चान के लिए पेड़ पर चढ़ने का यह अंतिम मौका था ।' लेखिका ने ऐसा इसलिए लिखा क्योंकि यासुकी–चान पोलियो ग्रस्त था। उसके लिए पेड़ पर चढ़ जाना असंभव था। उसे आगे **तोतो** –चान जैसा मित्र मिल पाना मुश्किल था। **तोतो** –चान के साहस के कारण वह पहली बार पेड़ पर चढ़ पाया था। अगर उनके माता–पिता को इसकी जानकारी मिल जाती तो कभी यह काम करने नहीं देते।

पाठ–8 : रहीम के दोहे (रहीम)

शब्दार्थ :

1.**विपत्ति–** मुसीबत
2. **कसौटी –** जाँच
3. **कसे–** जो कसा जाए
4. **तजि –** त्यागना
5. **मीन –** मछली
6. **नीर –** पानी
7. **छाँड़ति–** छोड़ती
8. **तरुवर–** वृक्ष
9. **सरवर –** नदी
10. **पान–** पानी
11.**संचहि–** जोड़ता है
12. **सुजान–** चतुर
13. **थोथे–** खाली
14. **घहरात–** घहराते हैं
15. **पाछिली–** पिछली
16. **रीत–** नियम
17. **सीत–**सर्दी
18. **घाम–** धूप
19. **मेह–**वर्षा
20. **देह–** शरीर
21. **परकाज–**दूसरों के काम
22.**संपति सगे –** धन होने पर अपने
23. **बहुत रीत–** तरह–तरह से

प्रश्न/उत्तर :

प्र1. आप सावन के बरसने और गरजने वाले बादलों के विषय में क्या कहेंगे? इनकी तुलना निर्धन व्यक्तियों से क्यों की है?

उत्तर– रहीम जी कहते है कि क्वार के महीने में बादल कई बार बिना बरसे निकल जाते हैं।उसी प्रकार अगर कोई आदमी अमीर से गरीब हो जाता है तो उसे अपनी पहले की अमीरी की बातें नहीं करनी चाहिए क्योंकि दोनों सिर्फ बड़बड़ा कर रह जाते हैं, कर कुछ नहीं पाते।

प्र2. रहीम ने सच्चे मित्र की क्या पहचान बताई है?

उत्तर– रहीम ने सच्चे मित्र की यह पहचान बताई है कि वह मुसीबत की घड़ी में हमारे साथ खड़ा रहता है। जो मित्र मुसीबत में खड़ा रहता है, वही सच्चा मित्र है।